Modicare FOUNDATION

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

/modicarefoundation.org /officialmodicarefoundation

modicarefoundation

जुलाई 2022

ख़्वाबगाह जसोला और ख़्वाबगाह नूर नगर में आयोजित गतिविधियों की एक झलक

ख़्वाबगाह स्कूलों की गतिविधियाँ

जुलाई में ग्रीष्म अवकाश के बाद विद्यालय पूरी तरह से खुल गये थे। मोदीकेयर फाउंडेशन के लिए यह एक रोमांचक समय था क्योंकि हमने दो और एमसीडी स्कूल, एमसीडी प्राइमरी स्कूल नूर नगर (बालिका) और एमसीडी प्राइमरी स्कूल नूर नगर (बाल) को अपनाया था।

फाउंडेशन ने ग्रीष्म अवकाश का उपयोग छात्रों के लिए सभी प्रकार की रोमांचक गतिविधियों की योजना बनाने के लिए किया था, ताकि बच्चे विद्यालय में आने के लिए उत्सुकता महसूस कर सकें। गतिविधियों में ड्राइंग प्रतियोगिता, कठपुतली शो आदि शामिल थीं जिसमें छात्रों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श, स्वास्थ्य और स्वच्छता आदि के बारे में मनोरंजक तरीक़े से सिखाया गया। बच्चों के फिटनेस स्तर में सुधार के लिए चारो ख़्वाबगाह स्कूलों में खेलों का आयोजन फिर से शुरू कर दिए गये है क्योंकि बच्चे पिछले दो साल लॉकडाउन और स्कूल बंद होने के कारण अपने घरों में रह कर बिताए हैं।

शिक्षण कार्य नियमित रूप से फिर से शुरू हो गया है और छात्रों के सीखने के स्तर को बढ़ाने पर केंद्रित रखा गया है।

ख़्वाबगाह स्कूलों की तस्वीरें

हिफ़ाज़त डिस्पेंसरी

फाउंडेशन द्वारा शुरू किए गए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम हिफाज़त के तहत ख़्वाबगाह जसोला में बनी डिस्पेंसरी को फाउंडेशन द्वारा अपनाया गया है। डिस्पेंसरी में प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों के साथ-साथ बुनियादी दवाओं को भी रखा गया है।

डिस्पेंसरी के लिए एक पूर्णकालिक नर्स की नियुक्ति की गई है जो ख़्वाबगाह जसोला और ख़्वाबगाह नूर नगर दोनों जगह अपना समय देती है। वह बच्चो की विकास दर को ट्रैक करने के लिए उनकी लम्बाई और वज़न जैसे विकास संकेतकों को रिकॉर्ड कर रही है और यह देखा जायेगा कि क्या ये आँकड़े भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों से मेल खाता है। छात्रों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक विजिटिंग डॉक्टर भी ख्वाग्गाह डिस्पेंसरी का हिस्सा होंगे।

नए स्कूलों में अध्यापन कार्य – नसीमा

मैं मोदीकेयर फाउंडेशन में एकेडमिक फैसिलिटेटर के रूप में काम कर रही हूँ। मैं नूर नगर में नए स्कूल में पढ़ाती हूँ, जिसे हाल ही में फाउंडेशन द्वारा अपनाया गया था। इस स्कूल में, मुझे अपने इंटरैक्टिव शिक्षण कौशल को लागू करने का अवसर मिला, क्योंकि यह स्कूल हमारे लिए एक पूरी खाली स्लेट की भांति है। यहां, मैं छात्रों के शैक्षणिक स्तर में सुधार कर सकती हूँ और उन्हें अध्ययन के लिए एक जीवंत वातावरण दे सकती हूँ।

जब मैं पहली बार नूर नगर स्कूल में कक्षा में गयी और छात्रों से मिली, तो मैंने खुद से कहा कि ये बच्चे मुझसे बहुत कुछ सीखेंगे। बच्चे अपने नए फर्नीचर और नई पेंट की गई कक्षाओं से बहुत खुश हैं। इससे उन्हें सीखने के लिए उपयुक्त माहौल मिला है। पाठ्येतर गतिविधियाँ भी उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने के लिए सकारात्मक प्रोत्साहन प्रदान कर रही हैं।